

B.A. 6th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-XIV

Sanskrit Composition and Communication

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिमाप्रित्य समाधेयाः। 2×10=20
- नीचेर प्रश्नगुलिर मध्ये दशटि प्रश्नेर उन्तर संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते दाओ।
- (a) किं नाम प्रातिपदिकम्? को वा प्रातिपदिकार्थः?
प्रातिपदिक कাকে बले? प्रातिपदिकार्थि वा की?
- (b) 'अनियतलिङ्गास्तु लिङ्गमात्राधिक्यस्य' — इति वचनस्य कोऽर्थः?
'अनियतलिङ्गास्तु ----' इत्यादि वचनेर तात्पर्य की?
- (c) 'एकादशीमुपवसन्ति निरम्बुभक्षाः' — इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य विभक्तिं सकारणं समुत्रं लिखत।
'एकादशीमुपवसन्ति निरम्बुभक्षाः' — एखाने निम्नरेख पदटिर विभक्तिर कारण समुत्र लेखो।
- (d) 'धुमाद् अग्निमान्' — इत्यत्र रेखाङ्कितपदे हेत्वर्थं कथं पञ्चमी विभक्तिः स्यात्?
'धुमाद् अग्निमान्' — एखाने निम्नरेख पदटिते हेत्वर्थे पञ्चमी विभक्ति केन हल?
- (e) ऋते कुष्णात् — इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य विभक्तिं सकारणं समुत्रं लिखत।
'ऋते कुष्णात्' — एखले निम्नरेख पदटिर विभक्तिर कारण समुत्र लेखो।
- (f) कर्मप्रवचनीययोगे का विभक्तिः स्यात्? प्रासङ्गिकं सूत्रं देयम्।
कर्मप्रवचनीययोगे कोन विभक्ति हय? प्रासङ्गिक सूत्रटि लेखो।
- (g) 'पञ्चम्यापाङ् परिभिः' — इति सूत्रस्य कोऽर्थः? उदाहरणं च देयम्।
'पञ्चम्यापाङ् परिभिः' — एइ सूत्रेर अर्थ की? एर उदाहरण दाओ।
- (h) 'यं प्रति कोपः' किम्? — इति दीक्षितोक्तेः किं तात्पर्यम्?
'यं प्रति कोपः' किम्? — एइ दीक्षितोक्तिर तात्पर्य लेखो।

- (i) 'पुष्पेभ्यः स्पृहयति', 'पुष्पाणि स्पृहयति' चेत्यनयोर्वाक्ययोर्भेदो व्याकरणोक्तदिशा निरूपनीयः।
पुष्पेभ्यः स्पृहयति' এবং 'পুষ্পাণি স্পৃহয়তি' এই দুটি বাক্যের পার্থক্য ব্যাকরণের আলোকে লেখো।
- (j) 'नमस्कुर्यो नृसिंहाय' इत्यस्मिन् वाक्ये 'नृसिंहाय' इति कथं चतुर्थी?
'नमस्कुर्यो नृसिंहाय' এখানে 'নৃসিংহায়' পদে চতুর্থী বিভক্তির কারণ কী?
- (k) 'वपुषा चतुर्भुजः' — इत्यस्मिन् वाक्ये 'वपुषा' इति कथं तृतीया?
'বপুষা চতুর্ভুজঃ' — এই বাক্যে 'বপুষা' শব্দে তৃতীয়ান্ত পদ কেন?
- (l) सम्प्रदानकारकपरामर्शकं प्रधानं सूत्रं सोदाहरणं लिखत।
সম্প্রদানকারক বিধায়ক প্রধান সূত্রটি উদাহরণসহ লেখো।
- (m) हेतुकरणयोः को भेदः?
হেতু ও করণের মধ্যে পার্থক্য কী?
- (n) 'अत्यन्तसंयोगे' इत्यस्य कोऽर्थः? शब्दस्तु कस्मिन् सूत्रे उपलभ्यते?
'অত্যন্তসংযোগে' শব্দটির অর্থ লেখো। কোন সূত্রে এই শব্দটি পাওয়া যায়?
- (o) 'उपपदविभक्तेः कारकविभक्तिर्बलीयसी' — इति व्याख्यायताम्।
ব্যাখ্যা করো — 'উপপদবিভক্তেঃ কারকবিভক্তির্বলীয়সী'।
2. (a) কোনো এক অহংকারী রাজা মনে করতেন যে তিনি আপন শক্তিতে সমগ্র পৃথিবী জয় করতে পারেন। তখন এক সন্ন্যাসী এক বিশাল মঞ্চ সেখানে আনিয়া রাজাকে বললেন, 'আপনি কি সমগ্র মঞ্চ জুড়ে শুতে পারবেন যেখানে একটুও ফাঁক থাকবে না।' রাজা বললেন - 'শরীরের যেমন আকার ততখানি ভাগ জুড়েই শোয়া সম্ভব।' সন্ন্যাসী বলেন - 'তাহলে এত অহংকার কিসের?'
- उपरितनं सन्दर्भं संस्कृतेन लिखत।
কোনো এক অহংকারী রাজা... — ইত্যাদি সন্দর্ভটি সংস্কৃত ভাষায় লেখো। 5
- अथवा,
- (b) एषः अनुच्छेदः संस्कृतभाषया अनूयताम् — কোনো এক আশ্রমে গুরুদেব প্রবচনকালে বলেন — 'ঈশ্বর যদিও নিরাকার তবু তিনি কখনো কখনো বিশেষ আকারে দেখাও দেন।' পরের দিন আনন্দ নামে এক শিষ্য বলেন যে, 'গুরুদেব! আপনি যথার্থ বলেছেন। গতকাল, আমি ঈশ্বরচিন্তা করতে করতে ঘুমিয়ে রাতে এক উজ্জ্বল জ্যোতিষ্ক দেখেছি। তাঁর সাথে দীর্ঘক্ষণ কথাও বলেছি।'
এই অনুচ্ছেদটি সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ করো — কোনো এক আশ্রমে ... ইত্যাদি। 5

3. (a) कश्चन गृहस्थः द्वादशवर्षीयेण जडबुद्धिना पुत्रेण सह आगत्य आचार्यं शङ्करं प्रणम्य अवदत् — 'आचार्यवर्य! अयं मे पुत्रः, आ जन्मनः मूढ इव। केनापि सह न भाषते। सदा जडबुद्धिः इव तिष्ठति इति। आचार्यः तं बालकं स्वसमीपम् आदूय प्रीत्या अपृच्छत् - भोः, भवान् कः? किमर्थम् अत्र आगतम्? इति। तदा स बालकः अवदत् - 'भगवन्! नाहं देवः, यक्षः ब्राह्मणः क्षत्रियः वैश्यः शूद्रो वा। न ब्रह्मचारी, न गृहस्थः न वा वानप्रस्थी। न कुलं न वा आश्रमः मे। भगवतः अंशरूपः अहम्' इति।

तदा शंकराचार्यः सानन्दम् अवदत् - वयं सर्वे नामकुलादीनां सम्बन्धं स्वस्य कल्पयामः। किन्तु आत्मनः न नाम, न कुलं न वा वर्णः। नामादयस्तु अस्य देहस्य। विनष्टे देहे आत्मनः न नाम न वा अन्यः सम्बन्धः। अतः अयमस्ति महात्मा। जन्मना एव वेदान्ती अयम्। यदि अयं गृहे तिष्ठेत् तर्हि जडमतित्वेन जनाः एतं निन्देयुः' इति।
— उपरितनं सन्दर्भं मनसि निधाय अधोलिखिताः प्रश्नाः समाधेयाः सुरगिरा।

- (i) गृहस्थस्य पुत्रः कीदृशः आसीत्?
(ii) आत्मस्वरूपं ज्ञापितवता बालकेन किमुक्तम्?
(iii) तच्छ्रुत्वा शङ्कराचार्येण किमुक्तम्? 1+2+2

कश्चन गृहस्थः... — इत्यादि सन्दर्भं पाठ करे नीचेर प्रश्नगुलिउर उतुतर दाओ संस्कृत भाषाय।

- (i) गृहस्थेः पूत्र केमन छिल?
(ii) निजेः परिचय देवार समय बालक की बलेछिल?
(iii) ता श्रुते शङ्कराचार्य की बलेछिलेन?

अथवा,

- (b) कश्चन तरुणः पितरम् अवदत् — 'पितः! कष्टकर्यामपि स्थित्याम् धैर्यच्युतिः यथा न भवेत् तथा जीवनं करणीयम् इति इच्छा मम। तदर्थमहं किं कुर्याम्?' इति। पित्रा उक्तम् 'तदर्थं त्वया अरण्यं प्रति आगन्तव्यं भवेत् मया सह। तत्र घोररात्रौ वस्त्रपट्टिकया तव नेत्रयोः बन्धनं विधाय प्रत्यागमिष्यामि अहम्। सूर्योदयपर्यन्तं त्वया तत्रैव स्थातव्यम्। किं त्वम् एतत् कर्तुं शक्नुयाः?' इति अपृच्छत् पिता। क्षणं विचिन्त्य पुत्रः अवदत् — 'आम्, अहं सज्जः। एका एव खलु रात्रिः यापनीया मया। तदहम् अवश्यं करिष्यामि।' इति।

पुत्रस्तु वृक्षस्य अधः उपाविशत्। घण्टाः अतीताः। कुतश्चित् शृगालरवः श्रुतः। अन्यतः व्याघ्रगर्जनं श्रुतम्। महत् शैत्यम् अबाधत। सर्पः पार्श्वे एव सञ्चरति इत्यपि अनुभवः प्राप्तः। प्रतिक्षणं भीतिः। तथापि कथमपि धैर्यं धृत्वा मौनेन उपविशत् पुत्रः।

अन्ते प्रातः सूर्यकिरणानां स्पर्शस्य अनुभवं प्राप्य पुत्रः वस्त्रपट्टिकाम् अपनीतवान्। अनतिदूरे रक्तनेत्रयुक्तः निद्राहीनः पिता उपविष्टवान् आसीत्। तेन उक्तं यत् जीवने कोऽपि कदाचिदपि न एकाकी। भगवान् सर्वदा तेन सह तिष्ठति एव। एतत् स्मरणं त्वयि अपूर्वं धैर्यं पूरयिष्यति इति।

— उपरितनं सन्दर्भम् अनुसृत्य अधोलिखितानाम् प्रश्नानाम् उत्तरं सुरगिरा देयम्।

- (i) पुत्रः पितरम् किं पृष्टवान्?
(ii) पित्रा किमुक्तम्?
(iii) पुत्रः किं पित्रादेशं पालितवान्? का तस्य अभिज्ञता? 1+2+2

উপরোক্ত সন্দর্ভ পাঠ করে নীচের প্রশ্নগুলির উত্তর সংস্কৃতে দাও।

- (i) পুত্র পিতাকে কী বলেছিল?
(ii) পিতা কী বলেছিলেন?
(iii) পুত্র কি পিত্রাদেশ পালন করেছিল? তার অভিজ্ঞতা কী ছিল?

4. कर्म इत्यनुवृत्तौ पुनः कर्मग्रहणमाधारनिवृत्त्यर्थम् — इति दीक्षितवचनं व्याख्येयम्। 5
‘कर्म —’ इत्यादि दीक्षितवचन व्याख्या करो।
5. ‘सहयुक्तेऽप्रधाने’ इति सूत्रं व्याख्यायताम्। 5
‘सहयुक्तेऽप्रधाने’ सूत्रं व्याख्या करो।
6. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः अन्यतरः समाधेयः। 10
नीचेर दुटि प्रश्नेर ये कोनो एकटिउत्तर दाओ।
(a) करणपरामर्शकं प्रधानं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायताम्। तद्विधायकं सूत्रान्तरमपि व्याख्येयम्।
करणविधायक प्रधान सूत्रं उदाहरणसह व्याख्या करो। सेइ विषयक आरओ एकटि सूत्रओ व्याख्या करो।
(b) अपादानपरामर्शकं प्रधानं सूत्रं व्याख्येयम्। तद्विधायकम् अन्यत् सूत्रत्रयमदि सोदाहरणं दीक्षितोक्तदिशा व्याख्यायताम्।
अपादान विधायक प्रधान सूत्रं व्याख्या करो। सेइ विषयक अन्य तिनटि सूत्रओ सोदाहरण दीक्षितानुसारी व्याख्या करो।
7. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः अन्यतरस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10
नीचेर दुटि प्रश्नेर मध्ये एकटिउत्तर दाओ।
(a) अस्मिन् वर्षे IPL इति क्रिकेटप्रतियोगिताम् आप्रित्य काचित् विवरणी सुरगिरा प्रदेया।
एइ बहरे IPL एर क्रिकेट प्रतियोगिता अबलम्बने कोनो एक रिपोर्ट संस्कृते लेखो।
(b) तव महाविद्यालये 26/01/2023 इति दिनांके प्रजातन्त्रदिवसं समुपलक्ष्य यत् रक्तदानशिविरम् आयोजितम् तस्य विवरणी आत्मपरिचयं गोपयित्वा सुरगिरा लिखत।
तोमार महाविद्यालये गत 26 जानुयारि प्रजातन्त्र दिवस उपलक्षे ये रक्तदान शिविर ह्येछिल तार विवरण निजेर परिचय गोपन रेखे संस्कृते लेखो।